CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

# मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 19 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, मंगलवार, 23 अगस्त, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

## भारत के लिए समस्याएं हल करने का सुनहरा अवसर

**कोलकाता, (एजेंसी)।** भारत इस वर्ष एक दिसंबर से अगले वर्ष 30 नवंबर तक जी 20 की अध्यक्षता करेगा, और उसके पास अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग से विसंगतियों को दूर करने का सुनहरा अवसर होगा।

**जी-20 की अध्यक्षता करेगा भारत**

भारतीय स्टेट बैंक के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार डा. सौम्य कांति घोष के अनुसार, भारत का अध्यक्ष पद कृषि और खाद्य सब्सिडी के क्षेत्र में विकासशील देशों के खिलाफ लंबे समय से चली आ रही विसंगतियों को दूर करने का एक सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि सबसे अहम मुद्दा कृषि सब्सिडी को लेकर है। जी20 अर्थव्यवस्थाएं वर्तमान में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 85 फीसदी, अंतरराष्ट्रीय व्यापार का 75 प्रतिशत और विश्व जनसंख्या का दो-तिहाई हिस्सा हैं। सबसे पहले, विकसित देशों के लिए 2016 में अमेरिका में प्रति किसान घरेलू समर्थन 60,586 अमेरिकी डॉलर था, जबकि ब्रिटेन में यह 6762 अमेरिकी डॉलर है।

भारत के लिए यहां तक कि हम महामारी के बाद की संख्या पर भी विचार करते हैं, यह मुश्किल से 600 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, यदि हम विकसित और विकासशील देशों की बहस में शामिल होते हैं तो कृषि सब्सिडी के मामले में यह शायद दूसरा तरीका है। दूसरे, विश्व व्यापार संगठन की व्यवस्था के तहत, व्यापार विकृतियों को पैदा करने वाली कृषि सब्सिडी की अनुमति नहीं है।

## पहली बैठक में फसल मानचित्र बनाने पर चर्चा

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** कृषि उत्पादों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था को कारगर बनाने, फसल विविधीकरण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के विषय में केन्द्र सरकार द्वारा गठित वृहद समिति को सोमवार को यहां हुई पहली बैठक में इन तीन महत्वपूर्ण विषयों पर कृषि मंत्रालय की ओर से तीन विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिये गये।

पूर्व केन्द्रीय कृषि सचिव संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में इस बैठक में पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक चली। सूत्रों ने बताया कि सोमवार की बैठक में 21 सदस्य शामिल हुए थे, जिसमें कृषि, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के सचिव, कपड़ा मंत्रालय के सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव भी शामिल थे। समिति की अगली बैठक सितंबर में हैदराबाद में होगी। सूत्रों ने बताया कि बैठक एमएसपी, प्राकृतिक खेती और फसल विविधीकरण- इन तीन विषयों पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से विशेष प्रस्तुतीकरण दिये गये।

**एमएसपी पर गठित समिति में तीन विस्तृत प्रेजेंटेशन पेश किए**

फसल विविधीकरण के मामले में विशेषकर तिलहन और दलहन का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने कहा कि बैठक में भारत में विभिन्न क्षेत्रों में फसल मानचित्रण की जरूरत पर बल दिया गया। बैठक में एमएसपी जैसे संवेदनशील विषय पर चर्चा के समय कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की कार्य व्यवस्था को पारदर्शी बनाने और एमएसपी को अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष रूप से चर्चा की गयी। इस बैठक में आयोग के वरिष्ठ सदस्य नवीन पी सिंह भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि किसान संगठनों ने एमएसपी को कानूनी दर्जा प्रदान करने की मांग को लेकर पिछले वर्ष लंबा आंदोलन चलाया था जिसके कारण सरकार को कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए लाए गए तीन कानूनों को वापस लेना पड़ा था।

इस समिति में शामिल कृषि संगठनों के प्रतिनिधि डॉ कृष्णवीर चौधरी ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चे के घटक दलों को सरकार द्वारा बनाई गई समिति में आना चाहिए और किसानों के हित में बात करनी चाहिए ताकि हम कृषि क्षेत्र की विपणन व्यवस्था में सुधार, कृषि में लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के बारे में ठोस सुझाव प्रस्तुत कर सकें और उस पर आगे काम हो। डॉ चौधरी ने कहा कि एमएसपी की वर्तमान व्यवस्था का लाभ मात्र छह प्रतिशत किसानों को हो रहा है, 94 फीसदी किसान इसके लाभ से वंचित हैं।

देश के 86 फीसदी किसानों की कृषि जोत दो एकड़ से कम है, ऐसे किसानों की स्थिति को कृषि उत्पादक संगठनों (एफपीओ) या सहकारिता के माध्यम मजबूत करने पर भी विचार किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर राज्यों के बारे में एक अलग समूह बनाया गया है, क्यों कि वहां की परिस्थितियां भिन्न हैं।

## एक्सप्रेस न्यूज

### अनुव्रत के रिश्तेदार की चावल मिल पर छापा मारा

**बोलपुर/कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में भारतीय सीमा के पार से पशु तस्करी के मामले की जांच कर रही सीबीआई ने सोमवार को बीरभूम जिले में एक चावल मिल पर छापा मारा, जिसमें कथित तौर पर इस मामले में गिरफ्तार अनुव्रत मंडल के रिश्तेदारों की हिस्सेदारी है। मंडल (80), जिसे सीबीआई ने 11 अगस्त को बीरभूम में अपने गांव निचुपट्टी घर से गिरफ्तार किया था, को नियमित जांच के लिए दक्षिण कोलकाता में कमांड अस्पताल (सेना) ले जाया गया था। मंडल को पशु तस्करी में चल रही सीबीआई जांच में कथित रूप से असहयोग करने पर गिरफ्तार किया गया था।

### समलैंगिक सेक्स पर बैन खत्म करेगा सिंगापुर

**सिंगापुर, (एजेंसी)।** सिंगापुर समलैंगिक यौन संबंधों पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को रद्द कर देगा जिससे देश में ऐसे संबंध कानूनी रूप से वैध हो जाएंगे। प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने राष्ट्रीय टीवी पर यह घोषणा की है। उन्होंने कहा कि 377-ए कानून को खत्म करने से देश के कानून वर्तमान सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुरूप हो जाएंगे और मुझे उम्मीद है कि समलैंगिक सिंगापुरियों को कुछ राहत मिलेगी। भारत, ताइवान और थाईलैंड के बाद सिंगापुर ऐसा देश होगा जहां समलैंगिक यौन संबंध कानूनी रूप से वैध होंगे। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक सिंगापुर में एलजीबीटी कार्यकर्ताओं ने सरकार के इस कदम को 'मानवता की जीत' बताया है।

### श्रीलंका ने 10 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार किए

**नागापट्टिनम (तमिलनाडु),(एजेंसी)।** श्रीलंका की नौसेना ने सोमवार को उनके क्षेत्र के पानी में अवैध शिकार करने और अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा का उल्लंघन करने के आरोप में दस भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके मछली पकड़ने वाले नावों को जब्त कर लिया है। नागापट्टिनम जिले में अक्करईपेट्टई तटीय गांव के रहने वाले मछुआरों को उस समय हिरासत में लिया गया जब वे मुल्लातिवु से श्रीलंका के जल क्षेत्र में मछली पकड़ रहे थे।

### तीस्ता की अंतरिम जमानत याचिका पर राज्य को नोटिस

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों से जुड़े मामलों में जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोप में गिरफ्तार कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ की अंतरिम जमानत याचिका पर सोमवार को गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति यूयू ललित, एस रवींद्र भट और सुधांशु धूलिया की पीठ ने गुजरात सरकार से अगली सुनवाई 25 अगस्त से पहले अपना पक्ष रखने को कहा। सीतलवाड़ ने निचली अदालत से अपनी जमानत याचिका खारिज होने के बाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जहां इसकी अगली सुनवाई 19 सितंबर मुकर्रर की गई है। इसी आधार पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से जमानत देने की गुहार लगाई है।

### आज का इतिहास

- **1456:** जर्मनी के योहानेस गुटेनबर्ग ने पहले आधुनिक छापेखाने में बाइबिल की पहली प्रति छापी।
- **1821:** मेक्सिको आजाद घोषित।
- **1939:** तत्कालीन सोवियत रूस और जर्मनी के बीच एक दूसरे पर हमला न करने की संधि पर हस्ताक्षर।
- **1947:** वल्लभ भाई पटेल देश के उप प्रधानमंत्री नियुक्त किये गये।
- **1976:** चीन में भूकंप से हजारों नागरिकों की मौत।
- **1979:** ईरान की सेना ने कुर्दों के खिलाफ मोर्चा खोला।
- **1986:** बम्बई के शंभु अभावाने ने सबसे लंबे समय तक टाइपिंग का मैराथन विश्व रिकार्ड अपने नाम किया।
- **1990:** पूर्वी-पश्चिमी जर्मनी ने तीन अक्टूबर को एक होने की घोषणा की।
- **1995:** देश का पहला सेलुलर फोन कलकत्ता (अब कोलकाता) में व्यावसायिक तौर पर पेश किया गया।

### रूस में आईएसआईएस का आतंकी गिरफ्तार, पैगंबर के अपमान से आहत था!

## भारत में एक बड़े नेता को उड़ाने की थी साजिश

**मास्को ■ एजेंसी**

रूस में अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) का फिदायीन गिरफ्तार किया गया है। वह भारत में आत्मघाती हमले की साजिश रच रहा था। दरअसल आतंकी मध्य एशिया का रहने वाला था और उसे सुरक्षा एजेंसी ने गिरफ्तार किया है। उसके बारे में बताया गया है कि उसने तुर्की में आतंकी हमले की ट्रेनिंग ली है। इस मामले पर रूस की फेडरेल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) ने बताया है कि हमलावर भारत में सत्ताधारी दल के एक बड़े नेता पर हमला करने की योजना बना रहा था, क्योंकि वह इसके जरिए पैगंबर के अपमान का बदला लेना चाहता था।

दरअसल, भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा की इस्लामिक पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी से भड़के विवाद के बाद इस्लामिक स्टेट ने पूरे भारत में हमला करने की धमकी दी थी। भारतीय उपमहाद्वीप में सक्रिय इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएस-केपी) ने इसी मुद्दे पर 50 पन्नों का एक दस्तावेज भी जारी किया था तब आईएसआईएस की अफगानिस्तान स्थित ब्रांच इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रोवींस ने भारत और नूपुर शर्मा के बयान को ईशनिंदा से जोड़ते हुए एक 10 मिनट का वीडियो जारी किया था।

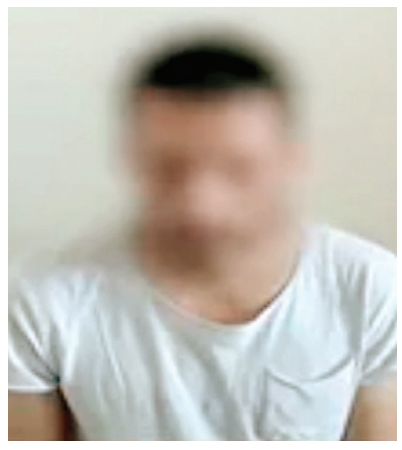

### अलकायदा ने भी दी थी भारत को धमकी

उस समय आतंकी संगठन ने कहा था कि वह भारत में 20 दिन के भीतर दो हमले करेगा। वीडियो में कहा गया था कि तालिबान हिंदुओं को इस्लामिक स्टेट से नहीं बचा पाएगा, क्योंकि वो शिया मुसलमानों को बचाने में भी नाकाम रहा है. इससे अलावा ऐसी ही धमकी अल-कायदा की तरफ से भी मिली थी। तब उसने कहा था कि गुजरात, उत्तर प्रदेश, मुंबई और दिल्ली में पैगंबर मोहम्मद की गरिमा की लड़ाई के लिए आत्मघाती हमला करेगा।

### साइबर स्पेस पर कड़ी नजर रखी जा रही

धमकियों पर गृह मंत्रालय ने कहा कि आईएस अपनी विचारधारा को प्रचारित करने के लिए विभिन्न इंटरनेट आधारित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा है। इस संबंध में संबंधित एजेंसियों द्वारा साइबरस्पेस पर कड़ी नजर रखी जा रही है और कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

## उप्र देश में निवेश के ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में उभरा

**लखनऊ, (ब्यूरो)।** गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार अमित शाह की अध्यक्षता में सोमवरको भोपाल, में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 23वीं बैठक आयोजित की गई। उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल माध्यम से मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक को सम्बोधित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मध्य क्षेत्रीय परिषद की 23वीं बैठक को यहां अपने सरकारी आवास से वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'टीम इण्डिया' के विजन से सहकारी संघवाद की अवधारणा साकार हो रही है।

सहकारी संघवाद की एक अभिव्यक्ति क्षेत्रीय परिषद भी है। मुख्यमंत्री जी ने क्षेत्रीय परिषदों को सक्रिय करने लिए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी का अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी नेतृत्व में इस सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना के नियंत्रण व प्रबन्धन में यह साबित हो गया है कि एकजुट होकर किसी भी आपदा को पस्त किया जा सकता है। जनसंख्या की दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश ने जीवन और जीविका को बचाते हुए कोविड-19 पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा है।

36 करोड़ से अधिक कोविड वैक्सीन का सुरक्षा कवच प्रदान करने में राज्य को सफलता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, विकासपरक वातावरण, सेक्टरवार आकर्षक नीतियों तथा विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाओं की उपलब्धता से उत्तर प्रदेश, देश में निवेश के 'ड्रीम डेस्टिनेशन' के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प भारत की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर का बनाकर देश को दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बनाने का है। इस लक्ष्य में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश अगले पांच वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था को 01 ट्रिलियन डॉलर का आकार देने की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके लिए सभी विभागों को 10 सेक्टरों में समायोजित करते हुए मुख्य सचिव एवं अपर मुख्य सचिवों के स्तर पर कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

### गणपति जुलूस के दौरान हंगामा, एक गिरफ्तार

**मुंबई (एजेंसी)।** मुंबई में नागपाड़ा के कमातीपुरा इलाके में गणपति प्रतिमा जुलूस के दौरान हंगामा करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त योगेश कुमार ने बताया कि आरोपी को आईपीसी की धारा 295 ए और 153 ए के तहत मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे अदालत में पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि व्यस्त नागपाड़ा जंक्शन को आधी रात तक यातायात के लिए बंद कर दिया गया था। घटना के बाद सड़क पर काफी संख्या में लोगों के प्रदर्शन को देखते हुए इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया है।

## जयशंकर ने परागवे में गांधी प्रतिमा का किया अनावरण

**असुनिसयान, (एजेंसी)।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को परागवे की राजधानी असुन्सियोन में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। डॉ जयशंकर पहली बार दक्षिण अमेरिका की अपनी छह दिवसीय यात्रा में यहां पहुंचे हैं।

विदेश मंत्री ने ट्वीट किया कि असुन्सियोन में महात्मा गांधी जी की एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। शहर के प्रमुख तट पर इसे लगाने के लिए असुन्सियोन नगर पालिका के निर्णय की सराहना करता हूं। यह एकजुटता का प्रतीक है जो कोविड महामारी के दौरान इतनी दृढ़ता से व्यक्त किया गया था। उन्होंने ऐतिहासिक 'कासा डे ला इंडिपेंडेंसिया' का भी दौरा किया, जहां से परागवे का स्वतंत्रता आंदोलन दो शताब्दी से भी पहले शुरू हुआ था। साओ पाउलो में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि चीन के साथ संबंध बहुत कठिन दौर से गुजर रहे हैं । चीन ने 1990 के उस समझौते की अवहेलना की है जो सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों की भीड़ को प्रतिबंधित करता है। उन्होंने कहा कि चीन की कार्रवाई से दोनों देशों के संबंधों पर स्पष्ट असर पड़ता दिखाई दे रहा है।

## निशुल्क मोटराज्ड ट्राई साइकिल वितरण समारोह

**प्रयागराज, (ब्यूरो)।** दिव्यांगजन को शिक्षित कर सृजनात्मक कार्यों की ओर मोड़ा जाता है तो वे भी राष्ट्रीय संपत्ति की वृद्धि में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। इस तरह स्वावलंबी होने से वह अपने परिवार या आश्रितों पर बोझ नहीं बनेगा और धीरे-धीरे वह उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम भी बढ़ाता नजर आएगा यह बातें प्रयागराज सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी ने करछना विकास खंड में निशुल्क मोटराइज्ड ट्राई साइकिल वितरण समारोह में कहीं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सात वर्षों में 38 लाख विकलांगों को लक्ष्य बनाकर राष्ट्रीय कौशल नीति पेश की है। विकलांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा विकलांगों की राष्ट्रीय कार्य योजना व सुगम्य भारत अभियान के माध्यम से एक बेहतर माहौल बनाने की कोशिशें की जा रही हैं।

## शाहनवाज पर रेप का केस दर्ज करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** उच्चतम न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री नेता सैयद शाहनवाज हुसैन पर 2018 के एक कथित बलात्कार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर सोमवार को रोक लगा दी।

जस्टिसद्वय यूयू ललित, एस. रवींद्र भट और सुधांशु धूलिया की पीठ ने प्राथमिकी दर्ज करने के दिल्ली पुलिस को दिए गए आदेश पर रोक लगाने के साथ-साथ पीड़िता की शिकायत पर दक्षिण दिल्ली के साकेत अदालत में पूर्व केंद्रीय मंत्री हुसैन के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही पर भी रोक लगाने का आदेश दिया। भाजपा नेता हुसैन का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा की दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने निर्देश जारी किया। महिला की ओर से पेश अधिवक्ता एसके सिंह ने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद उसके साथ मारपीट की गई। आरोपी शाहनवाज से अब उन्हें (महिला) जान का खतरा है। इस पर पीठ ने कहा कि अगर वह (महिला) नजदीकी पुलिस थाने से शिकायत करती हैं तो उसकी सुरक्षा की याचिका पर विचार किया जाना चाहिए।

**हुसैन पर 2018 में कथित रेप की शिकायत दर्ज है**

शीर्ष अदालत ने शिकायतकर्ता महिला को नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह इस मामले की अगली सुनवाई को सितंबर के तीसरे सप्ताह में करेगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। पीठ ने 17 अगस्त को हुसैन के खिलाफ आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 173 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने, तीन महीने के भीतर जांच पूरी करने और विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। उच्च न्यायालय ने तब पूर्व केंद्रीय मंत्री द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया था।

## शिक्षक अभ्यर्थियों के प्रदर्शन में लाठीचार्ज, 25 घायल

**पटना, (एजेंसी)।** बिहार में सातवें चरण की शिक्षक नियोजन प्रक्रिया में सीटीईटी और बीटीईटी के अभ्यर्थियों को शामिल नहीं किए जाने से नाराज छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस लाठीचार्ज में सोमवार को कम से कम 25 लोग घायल हो गए। शिक्षक भर्ती को लेकर बिहार की नई महागठबंधन की सरकार को घेरने के लिए बड़ी संख्या में शिक्षक अभ्यर्थियों ने राजधानी पटना में सोमवार को प्रदर्शन किया। राजधानी के ऐतिहासिक गांधी मैदान से अभ्यर्थियों ने सरकार के विरोध में नारेबाजी करते हुए मार्च निकाला। मार्च के डाकबंगला चौराहा पहुंचते ही वहां पहले से मौजूद दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया।

इसके बाद अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। आक्रोशित अभ्यर्थियों को रोकने के लिए पुलिस को लाठियां चलानी पड़ी, जिसमें कम से कम 25 अभ्यर्थी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया है। प्रदर्शन में शामिल एक महिला अभ्यर्थी ने बताया कि उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव जब विपक्ष में थे तो कई बार यह भरोसा देते थे कि वह हमारी नौकरी के लिए तत्काल कदम उठाएंगे। जब आज उनकी सरकार बन गई है तो हमारी मांगों को टालने की कोशिश शुरू हो गई है। वर्तमान सरकार से भी निराशा हाथ लग रही है। महागठबंधन की सरकार टालमटोल की नीति अपना रही है। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने बताया कि यहां दो दिन में 32 नए मंत्री शपथ ले लेते हैं। पुरानी सरकार बदल जाती है लेकिन जब शिक्षा मंत्री से हमने अपनी नौकरी की मांग की तो वर्ष 2024 तक इंतजार करने के लिए कहा गया।

**सुरक्षा** — दो लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से बुलंदशहर जनपद में स्थिति बिगड़ी

## गंगा किनारे बसे गांवों पर बाढ़ का खतरा

### पहाड़ी इलाकों में फटे बादल

**बुलंदशहर, (एजेंसी)।** पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश, बादल फटने और बिजनौर बैराज से गंगा में दो लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जनपद में गंगा किनारे बसे गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है।

नरोरा बैराज के सहायक अभियंता अंकित सिंह ने बताया कि नरौरा बैराज पर सोमवार सुबह छह बजे गंगा नदी में पानी की आवक 145526 क्यूसेक प्रति सेकेंड दर्ज की गई है, इसमें से 130000 क्यूसेक पानी डाउनस्ट्रीम से प्रति सेकंड निकाला जा रहा है। इससे पहले शनिवार को जो आवक 52926 क्यूसेक थी वह रविवार को ही बढ़कर दोगुनी हो गयी थी।

आहार ,बुगरासी, राजघट, रामघाट, बिहार घाट ,करण वास ,नरोरा और अनूप शहर क्षेत्र में गंगा का पानी खेतों में घुसकर फसल को बर्बाद कर रहा है । गंगा के बढ़ते जल स्तर के मद्देनजर जिला प्रशासन और सिंचाई विभाग ने आपदा से निपटने के लिए कड़ी सुरक्षा प्रबंध किए है। गंगा नदी जिले में स्याना तहसील से प्रवेश कर अनूप शहर डिबाई नरोरा क्षेत्र से होते हुए आगे निकल जाती है।

श्री सिंह ने बताया कि गंगा के जलस्तर में हो रही वृद्धि से सिंचाई विभाग अलर्टमोड पर है। दिन रात बैराज की निगरानी की जा रही है। मुनादी कराकर खादर क्षेत्र में पशु चराने अथवा अपने खेतों पर न जाने की अपील ग्रामीणों से की जा रही है।

### 2000 से अधिक किसानों के खेतों में जलभराव की स्थिति

ड्रेनेज विभाग के अवर अभियंता उमेश कुमार ने बताया कि बालू रेत से भरे बोरों की सवा मीटर ऊंची दीवार बनी है अनूप शहर राजघट रामघाट, बुगरासी आहार क्षेत्र के लगभग 2000 से अधिक किसानों के खेतों में जलभराव की स्थिति बनी है जलभराव से खेतों में खड़ी फसल के बर्बाद होने की आशंका बनी है। जिला मजिस्ट्रेट चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि गंगा नदी के जलस्तर में को रही वृद्धि को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है है। सिंचाई ड्रेनेज विभाग को भी सतर्क कर दिया गया है।

अनूप शहर के उप जिला मजिस्ट्रेट वीके गुप्ता ने बताया कि गंगा के जलस्तर बढ़ने से आबादी क्षेत्र में किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। एहतियात के तौर पर पशुपालकों को गंगा नदी की ओर जाने के लिए मना किया गया है। बाढ़ चौकियों को भी क्रियाशील कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आहार क्षेत्र के गांव कल्याणपुर, मोहम्मदपुर, आहार, सिद्ध बाबा चासी, फतेहपुर, मढैया आदि गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों से सतर्क रहने पशु चराने के लिए गंगा नदी की ओर न जाने और गंगा किनारे के खेतों में भी खेती के काम से न जाने की अपील लोगों से की जा रही है। दूसरी ओर बुलंदशहर के बुगरासी क्षेत्र को अमरोहा मुरादाबाद और संभल जिले से जोड़ने वाले भगवानपुर पुल का संपर्क मार्ग टूट जाने से पुल के दोनों और बसे लगभग सौ गांवों का संपर्क टूट गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार बुगरासी क्षेत्र में भगवानपुर मार्ग पर कटान के चलते सड़क धंस गई है। वही बढ़ते जल स्तर के कारण आहार क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक अवंतिका देवी मंदिर पर 05 करोड़ रुपए की लागत से बना तटबंध क्षतिग्रस्त हुआ है जिसके चलते मंदिर के आसपास के इलाके में जलभराव की स्थिति बनी है।

## प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक पुरस्कार समारोह आयोजित

**प्रयागराज, (ब्यूरो)।** उमरे मुख्यालय के अरावली सभागार में प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उमरे के भंडार विभाग के वर्ष 2021-22 के दौरान रेल सेवा में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान को सराहा गया।

**तीन अधिकारी तथा 72 कर्मी सम्मानित**

इसमें महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक कमलेश शुक्ल द्वारा तीन अफसरों तथा 72 कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक ने पुरस्कृत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनायें एवं बधाई देते हुये भविष्य में भी पूरी लगन एवं पूरे उत्साह से उच्च स्तरीय सेवा प्रदान करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संरक्षा मदों तथा यात्री सुविधा मदों की शतप्रतिशत उपलब्धता के प्रति जागरूक रहने हेतु निर्देशित किया।

# कठूमर कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव के लिए 16 नामांकन हुए प्राप्त

**अध्यक्ष पद 5, उपाध्यक्ष पद 4, महासचिव पद 3, संयुक्त सचिव पद के लिए 4 आवेदन पत्र दाखिल**

मरूधर विशेष

**कठूमर/दिनेश लेखी।** राजकीय महाविद्यालय कठूमर में छात्रसंघ चुनाव के के लिए सोमवार 22 अगस्त को 10:00 से 3:00 बजे तक नामांकन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस प्रक्रिया में अध्यक्ष पद हेतु 7, उपाध्यक्ष पद हेतु 4, महासचिव पद हेतु 3, संयुक्त सचिव पद हेतु 4, एवं कक्षा प्रतिनिधि पद हेतु 1, नामांकन फार्म वितरित किया गया। इस प्रकार कुल 19 नामांकन पत्र वितरित किए गए । तत्पश्चात 16 नामांकन पत्र 3:00 बजे तक प्राप्त हुए। जिनमें अध्यक्ष पद हेतु 5 उपाध्यक्ष पद हेतु 4, महासचिव पद हेतु 3, संयुक्त सचिव पद हेतु 4 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। 3:00 बजे से 5:00 बजे तक नामांकन पत्रों की गहनता से जांच की गई तथा आपत्तियां प्राप्त की गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रामनाथ खोरवाल ने बताया कि दिनांक 23 अगस्त 2022 को प्रातः 10:00 बजे कॉलेज नोटिस बोर्ड पर वैध नामांकन सूची चस्पा कर दी जाएगी।

# कठूमर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने एसडीएम लाखन सिंह गुर्जर को सौंपा ज्ञापन

मरूधर विशेष

कठूमर/दिनेश लेखी। उपखंड मुख्यालय पर सोमवार को एसडीएम लाखन सिंह को राजपाल के नाम भाजपा के पाँचों मंडल अध्यक्ष सहित कठूमर अध्यक्ष सुनील बजाज की अध्यक्षता में ज्ञापन सौंपा गया। मंडल अध्यक्ष सुनील बजाज ने बताया कि जो कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार है। इस को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाया जाए, यह सरकार घोटाले बाजों की सरकार है।, जिसमें पानी की समस्या, बिजली की समस्या दलितों पर अत्याचार, माँब लिंचिंग गोविंदगढ़ वाली घटना ,मूक बधिर वाली घटना, अलवर जिले में महिलाओं पर अत्याचार दलितों पर अत्याचार जैसी घटनाओं के विरोध में सोमवार को ज्ञापन दिया गया।इस मौके पर पूर्व विधायक रमेश खींची, पूर्व विधायक मंगल राम कोली, भाजपा प्रत्याशी रहे बाबूलाल मैनेजर,राजेश जाटव कठूमर, मुन्नी देवी खौंखर,जिले प्रभारी के रूप में जिला महामंत्री शिवलाल मीणा, कठूमर सरपंच शेरसिंह मीणा,जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पंडा,पूर्व मंडी चेयरमैन सतीश चौधरी,पूर्व सरपंच तुहीराम चौधरी, विजयपाल चौधरी, विनोद शर्मा मसारी,दिगंबर सिंह, सतवीर गुर्जर, महेंद्र चौधरी, बंटू सिंह, रघुवीर सैनी, तेज सिंह ,बृजेश चौधरी, योगेंद्र सिंह, देवेंद्र चौधरी ,हिम्मत पहलवान ,सतीश भाटी, प्रकाश चौधरी ,पूर्व उपप्रधान सुरेश चौधरी, रामजीलाल चौधरी, भोला रेटा, रतनी पाराशर,सतीश पाराशर सहित खुडियाना मंडल अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, भनोखर मंडल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह नरूका, खेड़ली मंडल अध्यक्ष शिवचरण अवस्थी, खोह मंडल संयोजक आनंद सिंह शेखावत सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# सरपंच संघ राजस्थान ब्लॉक कठूमर ने सामाजिक अंकेक्षण के संबंध में विकास अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मरूधर विशेष

**कठूमर/दिनेश लेखी।** सरपंच संघ राजस्थान के ब्लॉक कठूमर द्वारा मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम विकास अधिकारी सुनील कुमार मीणा को सामाजिक अंकेक्षण की विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। सरपंच संघ के अध्यक्ष जोरमल जाटव ने बताया कि सामाजिक अंकेक्षण की मूल भावना के विपरीत अप्रशिक्षित तथा नकारात्मक मानसिकता के व्यक्तियों से करवाए जा रहे सामाजिक अंकेक्षण कार्य का सरपंच संघ राजस्थान पूर्ण बहिष्कार करता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के समस्त सरपंच केंद्र एवं राज्य की महत्वपूर्ण फ्लैगशिप योजनाओं में पूर्णत समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं। तथा स्वच्छ भारत मिशन योजना में भी प्रदेश के सरपंचों ने पूरी तरह से कार्य कर 80 लाख ग्रामीण परिवारों के शौचालय निर्माण करवाएं,प्रधानमंत्री आवास योजना में भी सरपंचों ने पूरी तरीका से काम किया जिसमें 16 लाख आवास निर्माण करवाएं तथा महानरेगा योजना में राजस्थान प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर बना हुआ है। इन तीनों ही योजनाओं में आज प्रदेश संपूर्ण राष्ट्र में बहुत मजबूत स्थिति में है। तथा उन्होंने कहा है कि ग्राम पंचायतों में स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से करवाए जाने वाला सामाजिक अंकेक्षण तो औपचारिकता मात्र रहेगा।क्योंकि ग्राम पंचायतों में निर्वाचित डेढ़ लाख जनप्रतिनिधियों तथा पराजित लगभग तीन लाख अति सक्रिय जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्रत्येक कार्य का रोज नियमित रूप से नकारात्मक सकारात्मक दृष्टिकोण से सामाजिक अंकेक्षण किया जाता रहा है। इसलिए राज्य सरकार सामाजिक अंकेशन करवाना चाहती है। तो ऐसे लोग उच्च स्तरीय शिक्षित प्रशिक्षित एवं जिन्हें कार्यों के मूल्यांकन आदि का ज्ञान हो ऐसे लोगों से सामाजिक अंकेक्षण करवाया जाए तो प्रदेश के समस्त सरपंच उनका हार्दिक स्वागत करेंगे।

# भारतीय जनता पार्टी के एससी मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कुशलगढ़ उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

कुशलगढ़/अरुण जोशी

कुशलगढ़ आज भारतीय जनता पार्टी के एससी मोर्चा के अध्यक्ष के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कुशलगढ़ उपखंड अधिकारी सुनील शर्मा को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में बताया कि एक शिक्षक द्वारा जालौर में इंद्र कुमार छात्र की हत्या करने वाले शिक्षक के विरोध में कड़ी सजा दिलाने की और फांसी की सजा देने की मांग की ज्ञापन में बताया कि छात्रा इंद्र कुमार के परिजनों को राज्य सरकार द्वारा एक व्यक्ति को नौकरी दी जाए और छात्र इंद्र कुमार मेघवाल के परिजनों को मुआवजा राज्य सरकार द्वारा दिया जाए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस घटना को लेकर भारी आक्रोश व्यक्त करते हुए कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है नगर मंडल अध्यक्ष जिनेंद्र सेठिया ने कहा कि राज्य की सरकार कानून व्यवस्था में विफल रही है दिन पर दिन राज्य की कानून व्यवस्था खराब होती जा रही है जिसको सुधारा जाए ज्ञापन देने में एससी मोर्चा के अध्यक्ष संजय चौहान नगर पालिका अध्यक्ष बबलू मईडा नपा उपाध्यक्ष नितेश बैरागी भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष जिनेंद्र सेठिया एससी मोर्चा के गणपत लाल कमलेश कुमार टेलर युवा मोर्चा अध्यक्ष रिंकू पंड्या रामकिशन मकवाना हेमेंद्र पंड्या पार्षद जितेंद्र अहारि, दिलीप टेलर मयंक टेलर पार्षद महावीर कोठारी राजेश भाटिया पिंटू बारोडिया सहित कुशलगढ़ भाजपा के कई कार्यकर्ताओं उपखंड कार्यालय पर उपस्थित थे।

# कठूमर राजकीय महाविद्यालय में एनएसयूआई ने की अपने प्रत्याशियों की घोषणा

मरूधर विशेष

**कठूमर/दिनेश लेखी।** राजकीय महाविद्यालय कठूमर में छात्रसंघ चुनाव के तहत एनएसयूआई ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव पदों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी।

अलवर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राकेश चौधरी ने बताया कि अध्यक्ष पद पर पारस राज, उपाध्यक्ष पद पर अंकित देवी , महासचिव पद पर नीतीश कुमार, संयुक्त सचिव पद पर अखिलेश वर्मा के नाम की घोषणा की गई।

राजकीय कॉलेज कठूमर के मुख्य मतदान अधिकारी खोरवाल के समक्ष एनएसयूआई के समर्थकों के साथ अध्यक्ष पद के लिए पारस जैन, उपाध्यक्ष अंकिता देवी, महासचिव नीतीश कुमार, संयुक्त सचिव अखिलेश वर्मा ने अपना अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करते समय अलवर जिले से संगठन की तरफ से जीडी आर्य मौजूद रहे। इस मौके पर अवधेश तिवारी गारू, अनीश जाटव मैथना, अजय जाटव मैथना ,संदीप कुमार तिगरिया, केशव सौंख, गंगाराम जाटव सौंख,दीपक सैनी रामपुरा, राहुल सैनी रामपुरा, देवेंद्र कुमार हुल्याणा, मुनेश धानु सालवाली, मदनलाल सालवाडी, प्रवेश रोमियो कठूमर, बृजेश जाटव कठूमर ,कपिल कुमार सिटाहेडा, विवेक जाटव सिटाहेडा, रोशनी गंजपुर,सनम अरूंवा, नवीन कोली कठूमर, ललित जाटव बसेठ, दीपक माहौर कठूमर, श्यामसुंदर सौंख, राज लेखी कठूमर, सुभाष जाटव गंजपुर, अंकुश सौंख, पवन कुमार सौंख,मनीष सहाय सौंख आदि उपस्थित रहे।

# घोटियाआंबा से जागेश्वर महादेव मंदिर तक भव्य कावड़ यात्रा का सफल आयोजन हुआ सम्पन्न

कुशलगढ़/अरुण जोशी

**बांसवाड़ा।** श्रावण मास के अंतिम सोमवार को जागेश्वर महादेव कावड़ यात्रा समिति के तत्वावधान में आज पांडवों की भूमि घोटीया आम्बा धाम से बड़ोदिया के प्राचीनतम जागेश्वर महादेव मंदिर तक भव्य कावड यात्रा का आयोजन किया गया। विश्व हिंदू परिषद के धर्माचार्य प्रमुख डॉक्टर विकास भाई भट्ट ने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त प्रातः 5:00 बजे श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर बड़ोदिया में वाहनों के माध्यम से घोटिया आंबा के लिए सभी कावड़ यात्रियों ने प्रस्थान किया। घोटीया आम्बा पहुंचकर सर्वप्रथम पांडव कुंड में आचार्य रमेश चंद्र पाठक, राजेश शुक्ला ने धर्माचार्य डॉ. विकास भाई भट्ट, कावड़ यात्रा समिति के संरक्षक अशोक पंचाल,अध्यक्ष पर्वत सिंह चौहान, खुमानसिंह सोलंकी द्वारा विधिवत गंगाजल की पूजा अर्चना कराई। तत्पश्चात घोटेश्वर महादेव का अभिषेक कर विधिवत पूजा अर्चना कराई गई। जिसके बाद सेकड़ो कावड़ यात्रियो ने कुंड के जल से कावड़ भर कावड़ यात्रा सिद्ध त्रिशूल के साथ आरम्भ की यात्रा के रास्ते में बारीगामा, सेवना, बुडवा, चिरोला, इटाउवा मोड़ व बड़ोदिया नगर में ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया साथ ही जगह जगह पर जलपान,अल्पाहार की सुन्दर व्यवस्था भामाशाह द्वारा की गई। नरेश पाठक व् रमेश पाठक ने मंत्रोच्चार के द्वारा जागेश्वर महादेव का अभिषेक किया व् कावड़ियों ने शिवलिंग पर कावड़ में भरे हुए जल से जलाभिषेक किया। इस अवसर पर नाथजी मुखिया व् समिति के रणछोड़ मालीवाड़, राकेश पटेल, चिमन बरोड़, हेमंत पानेरी, दिनेश सुथार, भरत कान्हा, महेश कलाल, सचिन कलाल, योगेश कलाल, परेश बुनकर, कमलेश बुनकर, अनिल वाल्मीकि, नरेश गोयल, धर्मेश पटेल, मानसिंह सोलंकी, अर्जुन सोलंकी, धीरू पंचाल, कल्पेश ठाकुर, मयंक जोशी, प्रेम पटेल, जगदीश सोलंकी, वालेंग पटेल, नितेश कलाल आदि समस्त समर्पित कार्यकर्ताओ ने विशेष व्यवस्था व सहयोग योगदान दिया और भव्य कावड़यात्रा को सफल बनाया। ये जानकारी धर्माचार्य डॉ. विकास भाई भट्ट ने दी।

# रामलीला मंचन को लेकर उपखंड अधिकारी से मिला प्रतिनिधिमंडल

मरुधर विशेष/राकेश सैनी

तिजारा बस्ती की ओर से श्री रामलीला मैदान, तिजारा पर होने वाली रामलीला मंचन को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने उपखंड अधिकारी से रामलीला मंचन के प्रदर्शन को लेकर मुलाकात की !

उपखंड अधिकारी को आवेदन भी दिया गया तिजारा बस्ती की ओर से श्री रामलीला मैदान के मंच पर हर वर्ष होने वाली रामलीला मंचन के एक अच्छे प्रदर्शन के लिए एक माह पहले रामलीला मंचन का अधिकार देने के लिए लोगों से आवेदन आमंत्रित कर रामलीला मंचन छोड़े जाने की मांग की !

उपखण्ड अधिकारी को अवगत कराया गया कि प्रतिवर्ष दशहरे के पावन अवसर पर बस्ती की ओर से श्री रामलीला मैदान पर श्री रामलीला मंचन का प्रदर्शन किया जाता है जिसके लिए प्रशासन को अधिकृत किया गया है और प्रशासन बस्ती से आवेदन आमंत्रित कर किसी एक को रामलीला मंचन करने का अधिकार सौंपता है !

देखने में आता है कि प्रशासन द्वारा रामलीला का अधिकार चार-पांच दिन पूर्व ही दिया जाता है जिस कारण आयोजन समिति को तैयारी करने का पूरा समय नहीं मिल पाता और न ही कलाकारों को अपनी तैयारी करने का पूरा समय मिल पाता है ! एक अच्छे रामलीला प्रदर्शन के लिए लगभग एक माह पहले रामलीला मंचन का अधिकार देने की उपखंड अधिकारी से मांग की गई ! जिससे समिति को अपनी व्यवस्था करने का पूरा समय मिल सकेगा और कलाकारों को अपनी पूरी तैयारी करने का समय मिल जाएगा !

जिससे एक बेहतर रामलीला मंचन का आयोजन कर समाज को अच्छा संदेश दिया जा सके !

इस अवसर पर पार्षद सुल्तान सिंह पालीवाल , इंदर सिंह दहिया , हरिओम सैनी , पुरुषोत्तम गजमोती , सुधीर लखेरा , राधेश्याम सैनी , एडवोकेट मुकेश सैनी , कुलदीप अहूजा , विनोद सैनी , कपिल अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे !

# बानसूर पंचायत समिति में साधारण सभा का आयोजन किया गया

मरुधर विशेष/रमाकान्त शर्मा

बानसूर पंचायत समिति सभागार में साधारण सभा का आयोजन किया गया। साधारण सभा की बैठक में बानसूर ब्लाक के सभी अधिकारियों व कर्मचारी मौजूद रहे। साधारण सभा की बैठक में जनप्रतिनिधियों ने बिजली ,पानी, सड़क की समस्याओं को लेकर सभा में मुद्दा उठाया । वहीं बिजली पानी और सड़क की समस्या को लेकर बानसूर एसडीएम राहुल सैनी ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान एसडीएम राहुल सैनी ,विकास अधिकारी रामजी लाल मीणा, पंचायत समिति प्रधान सुभाष सुमन यादव , पीएचडी विभाग के अधिकारी, पीडब्ल्यूडी विभाग, व बिजली विभाग के अधिकारी सहित पंचायत समिति सदस्य व सरपंच गण मौजूद रहे।

# मकान का जंगला तोड़ लाखों के गहने व नकदी चुराए

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर में बीती रात्रि को चोरों ने एक मकान का जंगला तोड़कर करीब 15 लाख रुपए के गहने व 3 हज़ार रुपए नगदी और घर में रखा सामान चुरा कर फरार हो गए। घटना बानसूर के नारायणपुर रोड पर डोडियाका बास रोड की है जहां मुकेश कुमार पुत्र हरिराम रांगेरा के मकान में बीती रात्रि करीब 1 बजे चोरों ने कमरे का जंगला तोड़कर घटना को अंजाम दिया। पीड़ित मुकेश रांगेरा ने बताया कि बीती रात्रि करीब 10 बजे सभी लोग सो गए थे। वहीं जब रात्री 1 बजे मुझे सर्दी महसूस होने पर नींद खुली और चादर लेने के लिए कमरे में गया तो कमरा अंदर से बंद था। जब कमरे के पीछे जाकर देखा तो खिड़की टूटी हुई थी। वहीं रात्रि को ही इसकी सूचना पुलिस को दी गई ।सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। वहीं पुलिस के पहुंचने के बाद टूटे हुए जंगले से अंदर कमरे में घुस कर देखा तो अलमारी टूटी हुई थी और घर का सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा था। वहीं घर में रखे करीब 15 लाख रूपये सोने के जेवर और 3 हज़ार रुपए गायब मिले। वही घर में रखे दो सूटकेस गायब मिले। जिसको लेकर आज बानसूर थाने में मामला दर्ज करवाया है। वहीं बानसूर पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश में जुट गई है।

# मास्टर भीमसिंह की 5 वीं पुण्य तिथि पर विभिन्न कार्यक्रमो का हुआ आयोजन

मरुधर विशेष/हवासिंह चौधरी

कोटकासिम। क्षेत्र की तिगांवा ग्राम पंचायत अंतर्गत गांव ठेटर बासना में मास्टर भीमसिंह की पांचवीं पुण्य तिथि के उपलक्ष में सोमवार को ठेटर बासना गांव के सरकारी विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। ठा.भीम सिंह मास्टर मेमोरियल समिति द्वारा उनकी पहली पुण्य तिथि पर आंखो का कैंप लगवाया गया। दूसरी पुण्य तिथि पर कोटकासिम तहसील के विभिन्न स्कूलों के लगभग एक हजार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। तीसरी पुण्य तिथि पर कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया गया तो वहीं चोथे वर्ष 1600 मीटर की रेस का आयोजन करवाया गया। इसी कड़ी में सोमवार को उनकी पांचवीं पुण्य तिथि पर सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को स्कूल बैग,एक स्पीच स्टैंड,विद्यालय को 5 सीमेंटेड बेंच,एक साउंड सिस्टम भेंट किया गया। साथ ही प्रतिभाशाली लोगों सहित कार्यक्रम में मौजूद पत्रकारों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय को एक गोदरेज की अलमारी भी भेंट की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही कोटकासिम प्रधान डॉ.विनोदकुमारी सांगवान ने मास्टर भीम सिंह की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया वहीं उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मेरे प्रधान पद के कार्यकाल में शिक्षा हेतु जो भी मांग की गई है उसे मैंने पूरा किया है और आगे भी यह कार्य जारी रहेगा। इसके साथ ही प्रधान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्मचारियों के लिए पेंशन योजना दुबारा से चालू कर दी है जो कर्मचारियों के लिए बहुत ही सराहनीय कार्यक्रम है। आपको बता दें स्वर्गीय भीमसिह मास्टर को क्षेत्र का बच्चा बच्चा जानता है कि वो सादा,सरल स्वभाव वाले एक अच्छे व्यक्तित्व के धनी व अच्छे शिक्षक होने के साथ साथ ही एक अच्छे समाजसेवी व्यक्ति थे। उनके पुत्र शेरसिंह तंवर तिंगावा के सरपंच भी रह चुके हैं वहीं वर्तमान तिगावा सरपंच भी उनके पोते संदीप तंवर ही हैं। कार्यक्रम के दौरान कोटकासिम प्रधान डॉ.विनोद कुमारी सांगवान,करनी सेना नीमराना के अध्यक्ष चन्द्रशेखर,सरपंच संघ अध्यक्ष कुलदीप चौधरी,नांगल सालीया सरपंच प्रतिनिधि रामकुमार,रूपचंद मास्टर मांघा का माजरा,जकोपुर सरपंच प्रतिनिधि राजू, तिगावा सीनियर स्कूल के प्रधानाचार्य सहित पूर्व सरपंच शेरसिंह तंवर, तिंगावां के वर्तमान सरपंच संदीप तंवर,राजबीर,धर्मवीर मास्टर सहित विद्यालय स्टाफ के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन राजबीर मास्टर ने किया।

## संपादकीय

# बहुलतावादी संस्कृति के लिए

जम्मू-कश्मीर में बसे दूसरे राज्यों के निवासियों को वोट देने का अधिकार मिल गया है। इस केंद्र शासित प्रदेश में करीब 25 लाख नये मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज होने की उम्मीद है। केंद्र सरकार के इस फैसले से जम्मू-कश्मीर में बहुलतावादी संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि नेशनल कांफ्रेंस (एनसी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित कुछ अन्य स्थानीय दल सरकार के इस कदम का विरोध कर रहे हैं। नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूख अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में गैर स्थानीय लोगों को वोट देने का अधिकार देने के मुद्दे पर भविष्य की रणनीति तय करने के लिए 22 अगस्त को भाजपा को छोड़कर अन्य सभी दलों की बैठक बुलाई है। नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता प्रदेश में अल्पसंख्यकों को नकारने और बहिष्कार करने का षड्यंत्र कर रहे हैं। इन दलों की मांग स्वार्थ प्रेरित है, जिसे पूरी तरह अनसुना कर देना चाहिए। पीडीपी की नेता महबूबा मुफ्ती स्थानीय लोगों की भावनाएं भड़काने का काम कर रही हैं। उन्होंने सरकार के इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में आमतौर पर रहने वाले बाहरी लोगों को नौकरी, शिक्षा या व्यापार करने के लिए मतदाता के रूप में पंजीकरण की अनुमति देने का चुनाव अधिकारियों का कदम यहां लोकतंत्र के ताबूत में आखिरी कील ठोकने की तरह है। महबूबा मुफ्ती को मालूम होना चाहिए कि संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त हुए 3 साल हो गए हैं। इस अनुच्छेद के प्रायः सभी प्रावधानों को निरस्त कर दिया गया है। उनके साथ-साथ फारूख अब्दुल्ला और इनकी तरह के अन्य नेताओं को अब यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि राज्य का विशेष दर्जा समाप्त हो गया है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। इस देश का कोई भी नागरिक यदि जम्मू-कश्मीर में रहना चाहता है वहां का मतदाता बनना चाहता है तो यह उसका संवैधानिक अधिकार है। उसके इस अधिकार को कोई छीन नहीं सकता। केंद्र सरकार का यह दायित्व बनता है कि वह इस पर्वतीय राज्य में ऐसा वातावरण निर्मित करे कि देश का कोई भी नागरिक वहां का मतदाता बनकर शांतिपूर्ण ढंग से अपना जीवन निर्वाह कर सके। इसलिए भारत सरकार को इस मसले पर पूरी दृढ़ता से आगे बढ़ना चाहिए और प्रदेश को किसी भी सूरत में बहुलतावादी संस्कृति में ढालना होगा।

# अमृत महोत्सव भारत का नया स्वरूप उजागर करेगा!

देश को आजाद हुए 75 वर्ष होने जा रहे है । देश आजादी की 75वीं वर्षगाठ पर अमृत महोत्सव भी मनाने जा रहा है जिसपर हर घर पर तिरंगा फहराने का निर्णय लिया गया है। सरकार के इस निर्णय से देश तिरंगामय नजर आयेगा। पर इन 75 वर्ष में जो कुछ नजर आ रहा वह सभी के सामने है जहां हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पहले से ही विकास के गीत की धुन सुनाई देने लगी है। देश में किस तरह का विकास हुआ कि आज फिर से आजादी की जंग शुरू हो गई है। भ्रष्टाचार के चरण दिन पर दिन देश की अस्मिता को दबाते जा रहे है। महंगाई आम जन को लीलती जा रही हैं। संसद मे कोई चप्पल फेंक रहा है तो कोई अपमानित घुट पी रहा है, तो कोई संसद में चर्चा के दौरान खराटें लेकर , उलूल जूलूल बातें कर , संसद छोड़कर संसद का कीमती वक्त बर्बाद कर रहा है। महंगाई बढ़ती जा रही है, आतंकवाद से देश परेशान है। देश का धन विदेशी बैंक की शोभा बढ़ा रहा है। देश में विकास कम नाम विदेशियों को बुलाने एवं उनके हाथ सबकुछ सौंपने की तैयारी चल रही है। देश के उद्योग धंधे धीरे - धीरे बंद होते जा रहे हैं। देश की प्रतिभा का पलायन जारी है। टैक्स का दायरा दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। वायु को छोड़ आज सभी चीजों पर एक नहीं अनेक प्रकार का टैक्स यहां आम जन को चुकाना पड़ रहा है जहां आय छोटी लगने लगी है। अब तो मकान मालिक के साथ -साथ किराये में रहने वालों को भी 18 प्रतिशत जीएसटी देने की बात सामने आरही है। आज यहां हर आम आदमी टैक्स से परेशान है । दूसरी ओर जनता के सेवक कहे जाने वाले जन प्रतिनिधि आराम जीवन व्यतीत करने वाले वेतन भोगी हो चले है। इनक भते एवं इनकी सुविधाओं में दिनदुनी रात चौगनी वृद्धि होती जा रही है। एक तरफ देश की आवाम टैक्स के भार तले दबती जा रही है, महंगाई से पीस रही है तो दूसरी ओर जनतंत्र के रखवाले सुख सुविधा बटोरने में मशगूल है। संसद में चर्चा होती है, बहस होती है, और फिर पूर्व की तरह सबकुछ यथावत दिखने लगता है। जैसे अभी संसद में महंगाई को लेकर जिस तरह विपक्ष की आवाज अनसुनी की जा रही है ,देश में विपक्ष की भूमिका नगण्य हो चली है। इस तरह के हालात में समस्या कैसे हल होगी, विचारणीय मुद्दा है।

भ्रष्टाचार के कदम बढ़ते ही जा रहे है। इस मामले को लेकर अभी तक जो कार्यवाही प्रवर्तन निदेशालय की ओर से सामने आ रही है, भ्रष्टाचार की एक नई तस्वीर उजागर कर रही है जबकि यह कार्रवाही अभी तक एकतरफा ही दिखाई दे रही है। जब यह निष्पक्ष रूप से सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक कार्रवाही देश के सभी जननेताओं की होगी तो पता चलेगा कूंए में कितनी भांग घुली है। इस तरह के अनेक उदाहरण यहां मिल जाएंगे जहां आजादी के वास्तविक परिवेश पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे है। क्या इन्हीं हालातों के लिये देश के लोगों ने कुर्बानियां दी। आज फिर से आजादी की बात उभरने लगी है।

यह अच्छी बात है कि देश आजादी की 75वी वर्षगाठ जिस रूप में मनाने जा रहा है हर भारतीय के दिल में आजादी की अलख जगेगी एवं आजादी के लिये दी गई कुर्बानियां की नई यादगार नई अलख जगायेगी। इस अमृत महोत्सव की अलख एक ऐसे नये भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाये जहां भ्रष्टाचाररहित भारत की नई दिशा एवं दशा का स्वरूप उजागर हो सके। जहां देश की रक्षा की अलख हर भारतीय के दिल में ऐसी जगे जहां शुद्ध राजनीतिक वातावरण में भारत का नवनिर्माण हो सके। अमृत महोत्सव उपरोक्त दोष रहित नव भारत का नया स्वरूप उजागर करने में सफल अभियान होगा।

# आधुनिक दौर, पुरातनपंथी सोच

उपेन्द्र राय

पिछले हफ्ते प्रसिद्ध उपन्यासकार सलमान रुश्दी पर न्यूयॉर्क में एक साहित्यिक कार्यक्रम के दौरान जानलेवा हमले ने एक बार फिर दुनिया को झकझोरा है।

75 साल के रुश्दी पर करीब दस बार चाकू से वार किया गया। महज 24 साल के हमलावर हादी मतार को तुरंत घटनास्थल से हिरासत में ले लिया गया। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पुलिस कही जाने वाली न्यूयॉर्क पुलिस ने हालांकि अभी तक हमलावर की पृष्ठभूमि या हमले की संभावित प्रेरणा को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है, लेकिन हादी की मां सिल्वाना फरदौस ने अपने बेटे को लेकर अमेरिकी मीडिया से चौंकाने वाली जानकारियां साझा की हैं। सिल्वाना के मुताबिक कुछ साल पहले तक उसका बेटा भी आम युवाओं जैसा ही था, लेकिन साल 2018 में जब वो परिवार से अलग रह रहे अपने पिता से मिलने लेबनान गया तो सब कुछ बदल गया। हादी वापस लौटा तो वो एक मूडी और अंतर्मुखी युवा में बदल चुका था। अपनी डिग्री पूरी करने और कोई अच्छी नौकरी तलाशने के बजाय उसने खुद को घर के तहखाने में बंद कर लिया। वो इस बात से नाराज था कि परिवार ने उसे छोटी उम्र में ही इस्लाम से परिचित क्यों नहीं करवाया और धर्म पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय शिक्षा की ओर क्यों धकेल दिया?

हादी के सोशल मीडिया अकाउंट से पता चलता है कि उसे शिया चरमपंथ और ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स- आईआरजीसी से सहानुभूति थी। रुश्दी से ईरान का 'नफरती' कनेक्शन जगजाहिर है। साल 1989 में ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खुमैनी ने रु श्दी के चौथे उपन्यास, 'द सैटेनिक वर्सेज' में ईशनिंदा पर उनके खिलाफ फतवा जारी करते हुए दुनिया भर के मुसलमानों से उन्हें मारने का आह्वान किया था। खुमैनी ने वादा किया था कि जो कोई भी रु श्दी और उनकी पुस्तक के प्रकाशकों की हत्या करेगा, उसे शहीद माना जाएगा और वो सीधे स्वर्ग पहुंचेगा। हादी का जन्म 1989 के बाद हुआ है। यह स्वाभाविक लगता है कि हमले से पहले उसने किताब पढ़ना तो दूर,'द सैटेनिक वर्सेज' की झलक भी नहीं देखी होगी। फिर भी उसका इतना बड़ा कदम उठाना बताता है कि कट्टरवाद की जड़ें कितनी गहरी हैं?

रुश्दी की हत्या के प्रयास में जो भी तथ्य सामने आए हैं, उसने धार्मिक कट्टरता के सवाल को और बड़ा कर दिया है। यह कई लोगों के लिए एक असहज विषय हो सकता है क्योंकि इससे बाकी कई लोगों को इस्लाम की व्यापक निंदा और आम मुसलमानों को कोसने का मौका मिल जाता है। कई 'जिहादी विरोधी' वेबसाइट इस विचार का खुलेआम समर्थन करती रही हैं कि पूरी तरह से शांतिपूर्ण और उदारवादी मुसलमान भी एक संभावित खतरा हैं क्योंकि वो खुद या उसकी अगली पीढ़ी कभी भी चरमपंथी बन सकती है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि कट्टरता को लेकर किसी भी धर्म को कठघरे में खड़ा किया जा सकता है लेकिन, इस्लाम के चंद अनुयायी अपने धर्मग्रंथों और इतिहास को आधार बनाकर अन्य धर्मो की तुलना में हिंसक उग्रवाद के प्रति अधिक संवेदनशील दिखते हैं। ईशनिंदा करने वालों या धर्म के खिलाफ जाने वालों को मौत के घाट

**सवाल फिर घूम-फिरकर वहीं आता है कि रुश्दी पर हमले का सबक क्या है? इस घटना का पहला निष्कर्ष तो यही निकलता है कि कट्टरवाद और हिंसा की बातों को अनदेखा कर दिया जाए तो वे और मजबूत होते जाते हैं, जैसे खुमैनी के फतवे के साथ हुआ। यह भी समझना होगा कि इस तरह की हिंसा एक छलावा होती है क्योंकि जब यह सुप्त अवस्था में लगती है, तब भी यह वास्तव में धर्म पर अपनी जान कुर्बान करने वाली अगली पीढ़ी के जुनूनी दिमागों का ब्रेनवॉश कर रही होती है। रुश्दी पर हमला दुनिया को इस बात पर सतर्क रहने की ताकीद है कि कोई भी, कभी भी, कहीं भी इस जुनून का शिकार हो सकता है। धर्म द्वारा वैध की गई किसी भी हिंसा को सामाजिक और नागरिक हस्तक्षेप के बिना दूर नहीं किया जा सकता।**

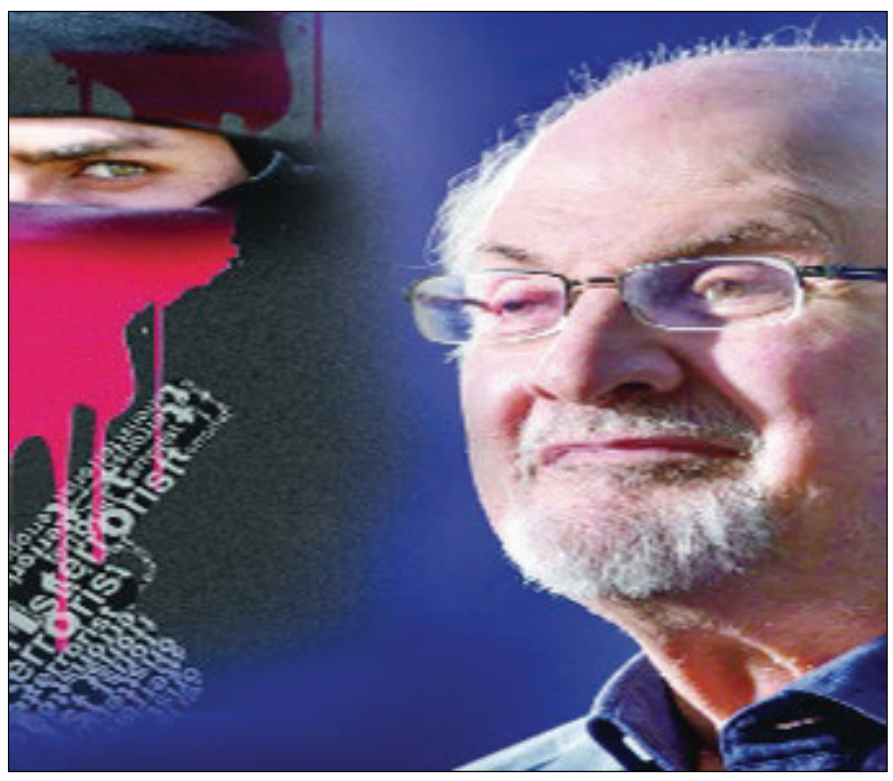

उतार दिया जाना चाहिए जैसे चरमपंथी विचार किसी अन्य धर्म की तुलना में मुख्यधारा वाली अधिकांश मुस्लिम संस्कृतियों के ज्यादा करीब दिखता है। वास्तविकता यह भी है कि इस्लामी चरमपंथ कई देशों में फैले आतंकी नेटवर्क से जुड़ा मिलता है, और असंतुष्ट युवाओं को आकर्षित करता है। कट्टरवाद के इस विध्वंसक स्वरूप के दूसरे छोर पर हमें जैन धर्म और तीर्थकर महावीर की शिक्षाएं भी दिखती हैं, जिनमें मानव हत्या तो दूर की बात है, जीव और वृक्ष-वनस्पति को भी समझने और महसूस करने जैसे मानवीय गुणों से युक्त मानकर उनका विनाश वर्जित है।

आखिर, आधुनिक दौर में भी कबीलाई सोच को प्रश्रय देने वाली धार्मिक कट्टरता का हासिल क्या है? पिछले कुछ दशकों में उपलब्धियां दिखाने के नाम पर इस्लामी दुनिया में कुछ विशेष दिखाई नहीं देता। जो देश अभी भी कट्टरवाद की राह पर हैं, उनकी अधिकांश आबादी के लिए जीवन स्तर औसत या उसके नीचे के दर्जे का है। पूर्वी एशिया में शानदार विकास के विपरीत, उनकी आर्थिक वृद्धि मामूली रही है। इसके अलावा, इस्लामी दुनिया के पास अंतरराष्ट्रीय मंच पर कोई महाशक्ति भी नहीं है, और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और खेल के क्षेत्र में इसकी प्रासंगिकता बहुत कम है। बीते दशकों से कट्टर मुस्लिम देशों का आर्थिक प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा है। हालिया मानव विकास रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था से तालमेल बैठाने में असफलता के कारण तुर्की, इंडोनेशिया, ईरान जैसे कट्टर इस्लामिक देशों में आर्थिक वृद्धि की रफ्तार लगभग कुंद हो गई है। ऐसे में संभावनाओं की कमी के कारण अपनी आकांक्षाओं के अनुरूप काम खोजने में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहीं नई पीढ़ियों में कट्टरपंथी इस्लाम और जिहादी आतंकवाद की अपील बढ़ जाती है।

जो इन सब बातों से उबर गया, वो तरक्की की राह पर आगे बढ़ गया। साथ-साथ आजाद होने के बावजूद भारत और पाकिस्तान के वर्तमान के फर्क की क्या बात करें, पूर्वी पाकिस्तान के रूप में बदहाल रहा हिस्सा ही आज बांग्लादेश के रूप में पाकिस्तान को तरक्की का सबक सिखा रहा है। वहीं अरब देशों में आर्थिक प्रगति के साथ जीवनशैली और सांस्कृतिक बदलाव दिख रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात में धार्मिक जीवन मूल्यों को सुरक्षित रखते हुए सामाजिक क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन की झलक दिखती है। आबू धाबी, शारजाह, दुबई में हजारों वर्ष पुरानी अरब संस्कृति के दर्शन होते तो हैं, लेकिन समय के साथ इन शहरों और यहां दुनिया भर से आकर बसी कॉस्मोपॉलिटन आबादी के आधुनिक जीवन की सफलताएं एवं संपन्नता के भी दर्शन होते हैं।

दुबई के साथ ही सऊदी अरब में बन रही नियोम सिटी का जिक्र यहां जरूरी है। स्मार्ट सिटी के तौर पर विकसित हो रहा यह शहर किसी जादुई दुनिया से कम नहीं है। अगले 50 वर्षो में जब यह पूरी तरह तैयार होगा तब यह दुनिया का ऐसा पहला रेगिस्तानी शहर बन जाएगा जिसमें आधुनिक जमाने की सभी सुविधाएं प्राकृतिक माहौल में मिलेंगी। एक समय में 80 हजार लोग यहां साथ रहकर काम कर सकेंगे और कनेक्टिविटी ऐसी होगी कि दुनिया के 40 फीसद हिस्से में यहां से केवल 6 घंटे में पहुंचा जा सकेगा। इसका विकास सऊदी के क्राउन प्रिंस मो. बिन सलमान के मिशन 2030 का हिस्सा है, जिसका बड़ा मकसद सऊदी को कट्टरपंथी विचारों से पूरी तरह मुक्त करना है। इसके तहत यहां पिछले कुछ समय में तेजी से कई सुधार हुए हैं, जिनमें बच्चों को स्कूलों में सभी धर्म की शिक्षा से लेकर मुस्लिम महिलाओं के लिए पुरु षों पर निर्भरता कम करने के फैसलों के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए अजान में आवाज देते समय मस्जिदों में एक-तिहाई लाउडस्पीकर का ही उपयोग किए जाने जैसे प्रगतिशील उपाय किए गए हैं। ये ऐसे सुधार हैं, जो मुस्लिम देशों में कल्पना से परे लगते हैं, और मुस्लिम जगत को लेकर बनी कट्टरपंथ की छवि को भी तोड़ते हैं। ये बदलाव न केवल सऊदी अरब की तरक्की में बड़ा योगदान दे रहे हैं, बल्कि कट्टर धार्मिक सोच को सीने से लगाए घूम रहे देशों के लिए भी सबक हैं।

सवाल फिर घूम-फिरकर वहीं आता है कि रुश्दी पर हमले का सबक क्या है? इस घटना का पहला निष्कर्ष तो यही निकलता है कि कट्टरवाद और हिंसा की बातों को अनदेखा कर दिया जाए तो वे और मजबूत होते जाते हैं, जैसे खुमैनी के फतवे के साथ हुआ। यह भी समझना होगा कि इस तरह की हिंसा एक छलावा होती है क्योंकि जब यह सुप्त अवस्था में लगती है, तब भी यह वास्तव में धर्म पर अपनी जान कुर्बान करने वाली अगली पीढ़ी के जुनूनी दिमागों का ब्रेनवॉश कर रही होती है। रुश्दी पर हमला दुनिया को इस बात पर सतर्क रहने की ताकीद है कि कोई भी, कभी भी, कहीं भी इस जुनून का शिकार हो सकता है। धर्म द्वारा वैध की गई किसी भी हिंसा को सामाजिक और नागरिक हस्तक्षेप के बिना दूर नहीं किया जा सकता।

## विचार मंथन

# टला नहीं है खतरा

सिद्धार्थ शंकर

पिछले कुछ समय से कोरोना विषाणु के संक्रमण की रफ्तार धीमी होने की वजह से लोगों में यह धारणा बनने लगी थी कि अब खतरा टल गया है। यही वजह रही कि अपनी ओर से संक्रमण से बचाव के लिए अपनाए जाने वाले उपायों को लेकर लोग लापरवाही या उदासीनता बरतने लगे, जबकि तथ्य यह है कि इस विषाणु के फैलने से रोकने के लिए जो उपाय लागू किए गए थे, उन्हीं के बूते संक्रमण के खतरे को कम किया जा सका था। अब कोरोना वायरस महामारी को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने एक बार फिर से सख्त चेतावनी जारी की है। डब्लूएचओ के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अधनोम घेब्रेसियस ने कहा कि हमें यह दिखावा नहीं करना चाहिए कि कोरोना हमारे बीच नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें अभी भी खुद को बचाने की जरूरत है। डब्लूएचओ प्रमुख की चेतावनी ऐसे समय में आई है जब फिर से एक बार कोरोना के चलते मौतों में वृद्धि देखी गई है। खुद भारत में कोरोना के मामलों में तेज वृद्धि देखी जा रही है। टेड्रोस ने कहा, हम यह दिखावा नहीं कर सकते कि यह (कोविड-19) अब हमारे बीच मौजूद नहीं है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, कोविड-19 के साथ जीना सीखने का मतलब यह नहीं है कि हम दिखावा करते फिरें कि कोरोना अब मौजूद नहीं है। हमें अपने पास मौजूद सभी साधनों का इस्तेमाल अपनी सुरक्षा और दूसरों की सुरक्षा के लिए करते रहना होगा। दुनिया भर में चार हफ्तों में कोविड-19 से संबंधित

मौतों में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि भारत में सरकार का कहना है कि नए मामले अभी हल्की प्रकृति के हैं, इसलिए इससे घबराने की जरूरत नहीं है। लेकिन सावधानी के लिए सरकार ने बचाव के उपायों को लेकर नियम-कायदों को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। दिल्ली में मास्क नहीं लगाने पर अब फिर 500 रुपए का जुर्माना देना होगा। अब अगर बचाव के उन्हीं उपायों को लोग ताक पर रख कर अपना व्यवहार तय कर रहे हैं तो उसका नतीजा क्या हो सकता है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। स्वाभाविक ही कुछ वक्त की दिखने वाली राहत के बाद अब एक बार फिर विषाणु के संक्रमण की ताजा रफ्तार ने आम लोगों से लेकर सरकार तक की चिंता बढ़ा दी है। खासतौर पर दिल्ली में कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों से यही पता चलता है कि लोगों की यह धारणा गलत थी कि अब संक्रमण रुक गया है और इसे लेकर बहुत ज्यादा फिक्रमंद होने की जरूरत नहीं है। जबकि शुरू से इस विषाणु और इसके अलग-अलग बहुरूप ने अपने संक्रमण को लेकर कोई स्थिर रवैया नहीं अपनाया। जाहिर है, हाल के दिनों में फिर से इस विषाणु ने आक्रामक रवैया अख्तियार करना शुरू कर दिया है। दरअसल, इस बार कोरोना के ओमिक्रान बहुरूप के नए उप-रूप बीए2.75 की वजह से संक्रमण की रफ्तार बढ़ी है। यानी हर कुछ समय बाद इसके स्वरूप में बदलाव आया है, जिसकी वजह से इससे निपटने को लेकर अतिरिक्त सजगता की जरूरत है। आज यह नहीं कहा जा सकता है कि इस विषाणु के फैलने की कोई एक प्रकृति है और सिर्फ उसी को लेकर सावधान होना चाहिए। पहले यह जरूर कहा गया था कि कोरोना का टीका लोगों को इसके संक्रमण से सुरक्षा देगा, लेकिन इस विषाणु के फैलने की बदलती प्रकृति ने यह बताया है कि अगर टीका लेने वाले लोग भी बचाव के उचित उपायों को लेकर ढीला रुख अख्तियार करते हैं तो उनके फिर से कोरोना विषाणु की चपेट में आने की आशंका बनी रहेगी। अमूमन हर जगह इसकी प्रकृति ने दुनिया भर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों के सामने एक जटिल चुनौती पेश की है। चूंकि अभी भी इसका कोई कारगर और अंतिम इलाज नहीं खोजा जा सका है, इसलिए फिलहाल इससे बचाव के उपायों के प्रति गंभीरता ही इसका सामना करने का एक अहम तरीका है।

## चिंतन-मनन

# चैन से सोना है तो 'सोने' को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नज़र सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नज़र लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं।

सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है 'कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।।' इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है। साधु पुरूष कहते हैं कि सोना चिंता का बड़ा कारण है। जब आप इसे पाने की सोचने लगते हैं तभी से चिंता आपके ऊपर हावी होने लगती है।

## पाकिस्तान

# रश्दी पर इमरान का कमाल

डॉ वेदप्रताप वैदिक

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कमाल की बहादुरी दिखाई है। इमरान ने सलमान रश्दी पर हमले की निंदा जिन शब्दों में की है, क्या भारत और पाकिस्तान के किसी नेता में इतना दम है कि वह भी उस हमले की वैसा निंदा करे? इमरान के इस बयान ने उनको दक्षिण एशिया ही नहीं, सारे पश्चिम एशिया का भी बड़ा नेता बना दिया है। इमरान खान ने लंदन के अखबार 'गार्जियन' को दी गई भेंटवार्ता में दो-टूक शब्दों में कह दिया कि रश्दी पर जो हमला हुआ वह 'अत्यंत भयंकर और दुखद' था। उन्होंने यह भी कहा कि सलमान रश्दी की किताब 'सेटेनिक वर्सेस' पर मुस्लिम जगत का गुस्सा बिल्कुल जायज है लेकिन भारत में पैदा हुए इस मुस्लिम लेखक पर जानलेवा हमला करना अनुचित है। पैगंबर मोहम्मद के लिए हर मुसलमान के दिल में कितनी श्रद्धा है, यह बात रश्दी को पता है। इसके बावजूद उसने ऐसी किताब लिख मारी। इमरान ने अपने इसी नजरिए के कारण 10 साल पहले भारत में हुए एक लेखक सम्मेलन में भाग लेने से मना कर दिया था, जिसमें रश्दी भाग लेनेवाला था। लेकिन इस बार अमेरिका में चल रहे एक सम्मेलन में जब लेबनान में पैदा हुए एक मुस्लिम नौजवान ने रश्दी पर जानलेवा हमला कर दिया तो दक्षिण, मध्य और पश्चिम एशिया के नामी-गिरानी नेताओं को सांप सूंघ गया। वे

डर गए कि उनकी हालत भी कहीं सलमान रश्दी जैसी न हो जाए। भारत के बड़े-बड़े सीनोंवाले नेताओं की भी छातियां सिकुड़ गईं। उन्हें भी डर लगा कि उनके साथ भी कहीं वैसा ही न हो जाए, जो नुपुर शर्मा के नाम पर हुआ है। लेकिन इमरान ने सिद्ध किया कि वह मुसलमान तो पक्का है लेकिन वह पूरा पठान भी है। वह सच बोले बिना रह नहीं सकता। जिस ईरान ने सलमान रश्दी की हत्या का फतवा 1989 में जारी किया था, उसका रवैया पहले के मुकाबले इस बार थोड़ा नरम था लेकिन उसमें भी हिम्मत नहीं थी कि वह इमरान की तरह दूध का दूध और पानी का पानी कर दे। इमरान खान ऐसे अकेले पाकिस्तान के बड़े नेता हैं, जो तालिबान से खुले-आम कह रहे हैं कि वे अफगान औरतों का सम्मान करें। लेकिन इमरान ने पिछले साल यह भी कहा था कि पश्चिमी राष्ट्र तालिबान को अपनी जीवन-पद्धति का अनुकरण करने के लिए मजबूर न करें। तालिबान ने गुलामी का जुआ उतार फेंका है याने अमेरिकियों को अफगानिस्तान से मार भगाया है। इमरान के रश्दी और तालिबान पर दिए गए बयानों से क्या पता चलता है? क्या यह नहीं कि इमरान मध्यम मार्ग अपना रहे हैं? एक ऐसा मार्ग, जिससे सत्य की रक्षा भी हो और कोई उससे आहत भी न हो। यही मार्ग असली भारतीय मार्ग है, जिसे गौतम बुद्ध ने भी प्रतिपादित किया था। संकीर्ण और सांप्रदायिक लोगों को यह बयान इमरान के लिए घाटे का सौदा लगेगा लेकिन इस बयान ने इस्लाम और पाकिस्तान की छवि को चमकाने का काम किया है।

## अमेरिकी वित्त विभाग का शीर्ष अधिकारी यूक्रेन पर तनाव के बीच भारत की यात्रा करेगा

वाशिंगटन। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से पहली बार अमेरिका के वित्त विभाग का एक शीर्ष अधिकारी भारत की आधिकारिक यात्रा करेगा। फरवरी में शुरू इस युद्ध पर भारत के निष्पक्ष रुख को लेकर चिंताओं के बीच अमेरिका चाहता है कि इन बैठकों में इस पर ध्यान केंद्रित किया जाए कि दक्षिण एशियाई देश के साथ संबंधों को कैसे मजबूत किया जा सके। उप-वित्त मंत्री वैली अडेयेमो मुंबई और नयी दिल्ली की यात्रा करेंगे और इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय के अधिकारियों, वित्त मंत्रालय, भारत के रिजर्व बैंक और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे। भारत के 2023 में 20 अंतरसरकारी समूह का नेतृत्व करने की तैयारी पर वित्त विभाग ने कहा कि अडेयेमो ''ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने, दुनियाभर में खाद्य असुरक्षा और धन के अवैध प्रवाह से निपटने जैसी अहम साझा प्राथमिकताओं पर चर्चा'' करेंगे। गौरतलब है कि भारत ने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ क्वाड गठबंधन में शामिल होने के बावजूद रूस का साथ नहीं छोड़ा। इसके बजाय उसने रूस से अपने कारोबारी संबंध बनाए हुए हैं और वह ऊर्जा तथा अन्य निर्यात के लिए क्रेमलिन पर निर्भर है। वहीं, अमेरिका और यूरोप, रूस के ऊर्जा संसाधनों से दूर जा रहे हैं और वित्त विभाग के अधिकारी रूसी तेल की कीमत पर सीमा लगाने को बढ़ावा दे रहे हैं। वित्त विभाग ने एक बयान में कहा कि अडेयेमो मुंबई में वित्तीय सेवाओं और ऊर्जा क्षेत्र के कार्यकारियों से मुलाकात करेंगे और अमेरिका तथा भारत के बीच आर्थिक संबंध मजबूत करने के बारे में बात करेंगे।

## तुर्की- दो भीषण सड़क हादसों में 35 लोगों ने जान गंवाई

इस्तांबुल। तुर्की में शनिवार का दिन काफी भारी पड़ा यहां दो अलग-अलग सड़क हादसों में 35 लोगों की जान चली गई, जिसके बाद अधिकारियों ने दोनों हादसों की जांच शुरू कर दी है। पहली दुर्घटना गाजिअनटेप और निजिप के बीच राजमार्ग पर हुई, जहां एक यात्री बस और आपात टीम को ले जा रहे वाहन के बीच टक्कर हो गई। आपात टीम मारडिन प्रांत के डेरिक जा रही थी। गृह मंत्री सुलेमान सोयुलू ने बताया कि इस घटना में तीन दमकलकर्मी, दो चिकित्साकर्मी और दो पत्रकार समेत 15 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में से आठ लोग बस में सवार थे। खबर के मुताबिक दुर्घटना में शामिल लोगों की मदद करने के लिए गए उसके दो पत्रकार भी इस हादसे में मारे गए हैं। टेलीविजन फुटेज में हादसे के बाद एक एंबुलेंस का पीछे का हिस्सा गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त दिखा और बस राजमार्ग के किनारे की तरफ मुड़ गई। गाजिअनटेप के गवर्नर दावुत गुल ने कहा कि घटना में 22 लोग घायल हो गए। एक अन्य हादसा डेरिक में हुआ जब एक ट्रक का ब्रेक फेल हो जाने से उसने दो वाहनों को टक्कर मार दी। इस बीच, घटनास्थल पर पहुंची आपात टीम और उपस्थित भीड़ को एक अन्य ट्रक ने टक्कर मार दी। सोयुलू ने बताया कि डेरिक में हुए हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। मामले में दो चालकों को हिरासत में लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। सड़क सुरक्षा के मामले में तुर्की का रिकॉर्ड खराब रहा है। सरकार के मुताबिक, पिछले साल सड़क हादसों में 5,362 लोगों की मौत हुई थी।

## भूटान भी भारी आर्थिक संकट में फंसा

भूटान । भूटान इन दिनो आर्थिक संकट से जूझ रहा है। विदेशी मुद्रा के संकट को देखते हुए भूटान ने कृषि मशीनरी, हेवी अर्थ मूविंग मशीनों, सभी वाहनों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। भूटान की अर्थव्यवस्था में तेजी के साथ गिरावट आई है। इस स्थिति से निपटने के लिए भूटान सरकार ने आयात को प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया है। भूटान ने अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा संकट की स्थिति को देखते हुए त्वरित निर्णय लेना शुरू कर दिया है। लगता है, श्रीलंका की हालत को देखते हुए भूटान ने समय रहते अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। भारत बेपरवाह वलभारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार संतुलन बिगड़ा हुआ है। रुपए के मूल्य में लगातार डॉलर के मुकाबले गिरावट हो रही है। आयात अधिक हो रहा है, निर्यात कम हो रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में भी हर सप्ताह गिरावट देखने को मिल रही है। इसके बाद भी भारत सरकार ने अभी तक अपने आयात- निर्यात व्यापार को संतुलित करने की कोशिश नहीं की।

## फिनलैंड में प्रधानमंत्री के लीक वीडियो को लेकर विवाद उपजा

हेलसिंकी । फिनलैंड में लीक हुए एक वीडियो में प्रधानमंत्री सना मारिन एक निजी पार्टी में दोस्तों के साथ नाचती और गाती नजर आ रही हैं, जिससे जनता के बीच यह बहस शुरू हो गई है कि सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति के लिए ऐसा आचरण कितना उपयुक्त है और वो भी यूक्रेन पर पड़ोसी देश रूस के हमले के वक्त। वीडियो में 36 वर्षीय मारिन कैमरे को पोज देती हैं। इस दौरान वह अच्छा समय बिताती हैं। फिनलैंड और पूरी दुनिया में पार्टी करने वाले युवा और कम उम्र के लोग सोशल मीडिया पर रोजाना ऐसे ही अनगिनत वीडियो साझा करते हैं लेकिन लीक वीडियो ने फिनलैंड के लोगों के बीच एक बहस शुरू कर दी है कि प्रधानमंत्री के लिए किस स्तर की मौज मस्ती उपयुक्त है, विशेष रूप से यूक्रेन पर पड़ोसी रूस के हमले को देखते हुए, जिसने लंबे समय से तटस्थ फिनलैंड और स्वीडन को नाटो सदस्यता के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित किया है। मध्यमार्गी-वामपंथी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी का नेतृत्व करने वाली मारिन को पार्टी के बारे में सवालों की बौछार का सामना करना पड़ा है- क्या पार्टी में मादक पदार्थ थे? शराब थी? वह काम कर रही थीं या गर्मी की छुट्टी पर थीं? क्या प्रधानमंत्री इतने होश में थीं कि किसी आपात स्थिति से निपटने में वह सक्षम थीं? पार्टी में जाहिर तौर पर किसी ने यह वीडियो बनाया था जो सोशल मीडिया पर लीक हो गया और इस हफ्ते फिनलैंड की मीडिया का इस पर ध्यान आकर्षित किया।

## इंडोनेशिया में मंकीपॉक्स का पहला मरीज मिला

जकार्ता । इंडोनेशिया में मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया है। राजधानी जकार्ता में रहने वाले 27 वर्षीय युवक में मंकीपॉक्स संक्रमण की पुष्टि हुई है। वह आठ अगस्त को विदेश यात्रा से इंडोनेशिया लौटा था। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा ?कि युवक में पांच दिन बाद मंकीपॉक्स के लक्षण उभरने लगे। हाल ही में जांच रिपोर्ट में उसमें संक्रमण की पुष्टि हो गई। वह अपने घर में पृथक रह रहा है। जानकारी के मुताबिक मंकीपॉक्स एक ऐसा संक्रमण है, जो 20 दिन बाद ठीक हो जाता है, बशर्ते मरीज में पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या न हो। सरकार को मंकीपॉक्स का प्रसार रोकने के लिए फिलहाल सामुदायिक स्तर पर कोई प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं नजर आ रही है। वैश्विक स्तर पर लगभग 90 देशों में मंकीपॉक्स के 31,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। पिछले महीने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स संक्रमण को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था।

## ब्रिटेन- पीएम की दौड़ में पिछड़े ऋषि सुनक को जन्माष्टमी के बाद मिला माइकल गोव का साथ, चमत्कार की उम्मीद

लंदन । ब्रिटेन में इन दिनों भारतीय मूल के ऋषि सुनक की चर्चा जोरो पर है वे यहां के प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में शामिल है और विदेश मंत्री लिज़ ट्रस के उनका मुकाबला है। ऋषि सुनक लगातार कहते रहे हैं कि वह जनता को खुश करने के लिए कोई वादा नहीं कर सकते। ऋषि लगातार कहते रहे हैं कि टैक्स में कटौती नहीं की जा सकती। वहीं, लिज़ ट्रस अपने भाषणों में पीएम बनने के बाद तुरंत टैक्स छूट का वादा कर रही है, जिसे ऋषि सुनक एक खराब फैसला बताते आए हैं। अब ऋषि सुनक को कंजर्वेटिव पार्टी के एक वरिष्ठ सांसद और टोरी सदस्य का समर्थन मिला है। पूर्व मंत्री माइकल गोव ने कहा है कि ऋषि सुनक के पास वह क्वालिटी है जो प्रधानमंत्री बनने के लिए चाहिए।

माइकल गोव को नाटकीय रूप से पिछले महीने निवर्तमान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बर्खास्त कर दिया था। गोव ने प्रधानमंत्री बनने की रेस में आगे चल रहीं, लिज़ ट्रस की कर-कटौती योजना को वास्तविकता से परे बताया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व के मामले में ऋषि सुनक ही सही तर्क दे रहे हैं। वही हैं जो मतदाताओं को सच बता रहे हैं। गोव ने लिखा, 'मुझे पता है कि प्रधानमंत्री बनने के लिए क्या क्वालिटी चाहिए और ऋषि के पास वह है।'

जन्माष्टमी के ठीक बाद लिखे लेख में गोव ने कहा, 'इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आने वाली सरकार अपनी केंद्रीय आर्थिक योजना के रूप में क्या अपनाएगी। मैं इस बात को लेकर चिंतित हूं कि कई लोगों द्वारा नेतृत्व की बहस वास्तविकता से अलग है। कॉस्ट ऑफ लिविंग एक चुनौती है, लेकिन इसके लिए सबसे आसान जवाब करों में कटौती नहीं हो सकता है।'

कनाडा में रिचमंड मैरीटाइम फेस्टीवल में भाग लेने के लिए पहुंचे प्रतिभागी।

## जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा कोरोना वायरस से संक्रमित, पीएम मोदी ने जल्द स्वस्थ होने की कामना की

**तोक्यो।** जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए और ठीक होने तक उन्होंने अपने आगामी दौरे को रद्द कर दिया है। जापानी मीडिया की खबरों में कहा गया है कि किशिदा (65) को शनिवार देर रात बुखार और खांसी हुई तथा रविवार को उनमें संक्रमण की पुष्टि हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से फिलहाल इस पर टिप्पणी नहीं की गई है। प्रधानमंत्री पिछले सप्ताह गर्मी की छुट्टी पर थे और सोमवार को काम पर लौटने वाले थे। यह स्पष्ट नहीं है कि वह कहां और कैसे संक्रमित हुए। लोक प्रसारक 'एनएचके' के अनुसार, किशिदा इस महीने के अंत में ट्यूनीशिया में अफ्रीकी विकास पर एक सम्मेलन में नहीं जा पाएंगे, लेकिन इसमें डिजिटल तरीके से भाग लेंगे तथा उन्होंने पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा स्थगित कर दी। जापान में हाल के समय में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी हुई है हालांकि, किशिदा समेत अधिकतर लोग टीका ले चुके हैं। हाल में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे।

# काट्सा पर भारत के लिए झुका अमेरिका, सामने आई रूस की कमजोरी: दिमित्री सुगाएव

**मॉस्को (एजेंसी)।**

काट्सा से भारत को मिली छूट को लेकर रूस ने अमेरिका पर सवाल उठाया है। रूस ने कहा कि भारत के लिए अमेरिका द्वारा लिए गए इस फैसले ने अमेरिका की कमजोरी जाहिर कर दी है। खास बात है कि पश्चिम के कड़े प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस के हथियार निर्यात मामले में भुगतान खासे प्रभावित हो रहे हैं। रूस ने इन प्रतिबंधों पर भी सवालिया निशान लगाए हैं। रूस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि एस 400 खरीद के लिए भारत को प्रतिबंधों से राहत देना अमेरिका की कमजोरी को दिखाता है।

अमेरिका में हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव ने उस संशोधन को मंजूरी दी थी, जिसमें भारत को काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शन्स एक्ट यानी काट्सा के तहत प्रतिबंधों से जुलाई में छूट दी गई थी। रूस के फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कॉपरेशन (एफएसएमटीसी) के प्रमुख दिमित्री सुगाएव ने कहा, भारत और रूस के बीच एस-400 की सप्लाई के लिए हुए कॉन्ट्रैक्ट को अमेरिका ने

रूसी हथियारों के के खिलाफ लगे प्रतिबंधों का उल्लंघन बताया था।

अमेरिकी पक्ष ने किस वजह से अपना फैसला बदला? मुझे नहीं पता लेकिन संभावनाएं हैं कि इसकी वजह उनकी कमजोरी है। इसी सिस्टम को लेकर तुर्की पर प्रतिबंध लगाए गए थे। रूसी निर्यात को देखरेख करने वाले सुआगेव ने कहा पश्चिमी प्रतिबंध अनुचित कारोबार के बराबर हैं। साथ ही यह %स्वतंत्र राष्ट्रों के अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के संप्रभु अधिकार का हनन है। प्रतिबंधों को लेकर उन्होंने कहा कि नया उत्पादन और लॉजिस्टिकल चेन स्थापित की गई हैं। खबरें थी कि पश्चिम की तरफ से लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के चलते भुगतान प्रक्रिया मुश्किल हो गई थी।

## सलमान रुश्दी पर दिए बयान को लेकर इमरान खान की सफाई, कहा- हमले से संबंधित मेरी बात को गलत अर्थ में लिया गया

**इस्लामाबाद। (एजेंसी)।**

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को दावा किया कि लेखक सलमान रुश्दी की हत्या के प्रयास के बारे में एक ब्रिटिश अखबार को दिए गए उनके बयान का गलत अर्थ निकाला गया। रुश्दी (75) पर गत सप्ताह लेबनानी मूल के अमेरिकी नागरिक 24 वर्षीय हादी मातर ने चाकू से हमला कर दिया था। द गार्डियन अखबार को दिए एक साक्षात्कार में खान ने रुश्दी पर किए गए हमले की निंदा की थी और दावा किया था कि लेखक के प्रति मुसलमानों का गुस्सा जायज है लेकिन हमले को सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के अध्यक्ष के आधिकारिक ट्विटर खाते से दावा किया गया कि इमरान के बयान को गलत अर्थ में लिया गया। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार के मुताबिक, इमरान ने 2012 में भारत में एक सम्मेलन में भाग लेने से इसलिए इनकार कर दिया था क्योंकि उसमें रुश्दी शामिल होने वाले थे। उन्होंने कहा, ''साक्षात्कार में मैंने ईशनिंदा करने वालों को सजा देने के इस्लामी तरीके को समझाया था।

## राजपक्षे स्वदेश लौटें, पर उन पर चलाया जाए धन के दुरुपयोग का मामला : अजीत पी. परेरा

**हेलसिंकी (फिनलैंड) (एजेंसी)।**

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के मुख्य विपक्षी दल समागी जना बालवेगया (एसजेबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अजीत पी. परेरा ने कहा कि देश के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को देश लौटने का अधिकार है, क्योंकि वह श्रीलंका के नागरिक हैं। लेकिन धन के दुरुपयोग के आरोपों के लिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। राजपक्षे (73) देश छोड़कर चले गए हैं और देश की अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन के लिए सरकार के खिलाफ हुए विद्रोह के कारण उन्होंने पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था।

एसजेबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अजीत पी. परेरा ने कहा गोटबाया राजपक्षे इस देश के नागरिक हैं और उन्हें अपनी मातृभूमि लौटने का अधिकार है। इस अधिकार से कोई इनकार नहीं कर सकता। लेकिन, धन के दुरुपयोग के आरोपों के लिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

श्रीलंका का संविधान पूर्व राष्ट्रपतियों को व्यक्तिगत सुरक्षा और कर्मचारियों के साथ एक कार्यालय सहित विशेषाधिकार देता है। परेरा ने कहा उनके खिलाफ अपने माता-पिता के स्मारक के लिए राजकीय कोष को कथित रूप से खर्च करने का मामला था। उन्हें मुकदमे का सामना करना होगा और दोषी पाए जाने पर दंडित किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें संविधान के अनुसार कानूनी छूट नहीं है। एसजेबी ने राजपक्षे की सरकार पर भारत द्वारा प्रदान की गई एक अरब अमेरीकी डॉलर की ऋण सुविधा का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है जो कि वित्तीय सहायता के तहत नकदी की कमी वाले राष्ट्र को अपने अभूतपूर्व आर्थिक संकट से निपटने में मदद करने के लिए दी गई थी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजपक्षे अमेरिका के ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं, क्योंकि वह अपनी पत्नी लोमा राजपक्षे के अमेरिकी नागरिक होने के कारण आवेदन करने के योग्य हैं। राजपक्षे ने 2019 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अपनी अमेरिकी नागरिकता त्याग दी थी।

# रूस ने क्रीमिया में यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए, यूक्रेन ने भी हमले तेज किए

**कीव (एजेंसी)।**

रूसी प्राधिकारियों ने शनिवार को क्रीमिया में यूक्रेन के ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया। रूसी सेना ने यूक्रेन के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में भी हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन में कुछ शहरों में से एक पर कब्जा जमाने के प्रयासों को आगे बढ़ाया, जो पहले से ही उनके नियंत्रण में नहीं है। रूस ने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया छीना था। क्रीमिया में रूसी प्राधिकारियों ने बताया कि स्थानीय वायु रक्षा बलों ने सेवस्तोपोल में 'रशियन ब्लैक सी फ्लीट' के मुख्यालय पर एक ड्रोन को मार गिराया। यह तीन सप्ताह में मुख्यालयों पर ड्रोन को मार गिराने की दूसरी घटना है।

क्रीमिया के गवर्नर सर्गेइ अक्सियोनोव के सहायक ओलेग क्रायुचकोव ने शनिवार को यह भी कहा कि पश्चिमी क्रीमिया में ''छोटे ड्रोनों से हमले'' किए गए। गवर्नर ने टेलीग्राम पर कहा, ''वायु रक्षा प्रणालियों ने शनिवार सुबह क्रीमिया पर सभी ड्रोनों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। जान या माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है।'' ये घटनाएं क्रीमिया में रूसी सेना की कमजोरियों

को उजागर करती हैं। रूस के काला सागर के नौसेना मुख्यालय पर 31 जुलाई को एक ड्रोन हमले में पांच लोग घायल हो गए थे। इस सप्ताह क्रीमिया में रूस के एक गोला बारुद के गोदाम में विस्फोट हुआ था। पिछले सप्ताह क्रीमिया में वायु सेना के एक अड्डे पर रूस के नौ युद्धक विमानों को नष्ट कर दिया गया था।

यूक्रेनी प्राधिकारियों ने इन हमलों की सार्वजनिक तौर पर जिम्मेदारी लेना बंद कर दिया है। लेकिन राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने क्रीमिया में हमलों के लिए यूक्रेनी सेना के जिम्मेदार होने का संकेत दिया है। इस बीच, हाल के सप्ताहों में क्रीमिया के उत्तर में दक्षिणी यूक्रेनी क्षेत्रों में लड़ाई तेज हो गयी है। यूक्रेनी सेना ने रूस को उन शहरों से खदेड़ने की कोशिश की है, जहां पर उन्होंने छह महीने पुराने युद्ध के शुरुआत से ही कब्जा जमा रखा है। यूक्रेन के अभियोजक कार्यालय ने बताया कि मायकोलेव क्षेत्र के वोजनेसेंस्क शहर में शनिवार को रूस के मिसाइल हमले में तीन बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए और कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। दो बच्चों की हालत गंभीर है और एक बच्चे ने एक आंख गंवा दी है। वहीं, यूक्रेन के हवाई हमले भी जारी हैं। उसने जापोरिज्जिया क्षेत्र में रूस के कब्जे वाले शहर मेलितोपोल में हमले किए। यूक्रेनी सेना ने शनिवार को कहा कि उसने रूस की एक रडार प्रणाली और अन्य उपकरण तबाह कर दिए।

# यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र पर बमबारी ने पैदा किए कई खतरे

**लंदन (एजेंसी)।**

(द कन्वरसेशन) रूस के कब्जे वाले झापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हाल में बमबारी तेज होने से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं। यूक्रेनी कर्मी सख्त नियंत्रण और दबावपूर्ण स्थितियों में इस बड़े संयंत्र का संचालन कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन हमले जारी रहने और नुकसान के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इस संघर्ष में गलत सूचनाओं और फर्जी खबरों ने एक अहम भूमिका निभायी है और इसलिए अभी यह पता नहीं है कि हालात क्या हैं। अभी इसकी संभावना नहीं लगती कि दोनों पक्षों में से कोई भी यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाना चाहेगा, जिससे कि रेडियोधर्मी पदार्थ का रिसाव हो।

संयंत्र में काम करने वाले यूक्रेनी कर्मियों ने दावा किया कि रूस जानबूझकर गैर-महत्वपूर्ण उपकरणों को निशाना बना रहा है। परमाणु संयंत्र पर जानबूझकर हमला किए जाने से अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन होगा। यह संयंत्र चेर्नोबिल की तरह नहीं है, जो दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु आपदा वाली जगह है। चेर्नोबिल एक पुराने रिएक्टर की तरह था। झोपोरिज्जिया की तरह इसे भी पानी से ठंडा किया जाता है, लेकिन इसमें 'न्यूट्रोन अनुशोधन' के लिए बड़ी मात्रा में ग्रेफाइट मौजूद होता है। 'न्यूट्रोन अनुशोधन' रिएक्टर के संचालन के लिए अनिवार्य होता है। जब चेर्नोबिल रिएक्टर अत्यधिक गर्म होता है तो पानी गर्म हो जाता है और शीतलन की दृष्टि से कम प्रभावी हो जाता है।

हालांकि, ग्रेफाइट लगातार न्यूट्रोन्स का अनुशोधन करता रहता है, जिससे रिएक्टर पावर सक्रिय और तापमान अनियंत्रित हो जाता है। झोपोरिज्जिया में दुनियाभर के रिएक्टरों की तरह अगर कोई रिएक्टर अत्यधिक गर्म होता है तो कूलिंग और अनुशोधन दोनों ही कम हो जाता है और इसलिए रिएक्टर ऊर्जा भी कम हो जाती है। परमाणु इंजीनियर इसे रिएक्टर के सुरक्षित डिजाइन के लिए अहम मानते हैं। लेकिन अगर हमलों में परमाणु सामग्री या सुरक्षा के लिए अहम उपकरणों को नुकसान पहुंचता है तो रिएक्टर विनाशकारी हो सकता है। इससे बड़ी मात्रा में हानिकारक परमाणु सामग्री हवा में घुलती है, जिससे बड़े पैमाने पर जमीन और जल आपूर्ति दूषित होने का खतरा होता है।

संयंत्र उच्च क्षमता वाली इमारतों से घिरे होते हैं। इन्हें संयंत्र के भीतर और बाहर धमाकों से बचाने के लिए बनाया जाता है। हालांकि,

आधुनिक संयंत्रों को विमान से किए जाने वाले हमलों से बचाने के लिए बनाया गया है। सबसे बड़ी चिंता बाहर ईंधन के लिए बने कूलिंग पूल हैं, जहां अत्यधिक रेडियोधर्मी पदार्थ का पानी में भंडार किया जाता है। इनमें से किसी पर भी अगर सीधे हमला किया जाता है तो रेडियोधर्मी पदार्थ के वातावरण में फैलने की आशंका होती है। परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बंद होने के बाद भी पम्प और पाइप जैसे सुरक्षा उपकरण अहम होते हैं। झापोरिज्जिया के छह रिएक्टरों में से तीन अभी बंद हैं।